[श्री अश्विनी कुमार]

50 प्रतिशत बैठती है, जिसका स्पष्ट द्योतक है कि बड़ी मात्रा में घुसपैठ हो रही है । गुजरात के आंकड़े ये हैं कि वर्ष 1980 से 1985 तक 10,326 पाकिस्तानी पासपोर्ट होल्डर आये हैं, जिसमें से केवल 195 वापिस गये हैं ।

महोदया, एक और बात की तरफ मैं आपका ध्यान दिलाना चाहूंगा, जैसा मैंने मेगजीन में पढ़ा है कि बांगला देश की आबादी साल 2000 में 20 करोड़ हो जायेगी, जो उनके लिये भयानक है, वे उनको रख नहीं सकते और उन्होंने निर्णय लिया है कि We have to off-load 8 crores in India. यानी आठ करोड़ हमारे देश में भेजने के लिये वे तैयार बैठे हैं । इसके लिये भी हमको विशेष चिंता करने की आवश्यकता है । . . . (समय की घंटी) यह डेमोग्रेफिक चेंज हो रहा है और इस चेंज को जरा गंभीरता से लेना चाहिये ।

अंतिम बात, मैं यह कहना चाहता हूं कि यह साधारण डेमोग्रेफिक चेंज नहीं है, यह पापुलेशन एग्रेशन है । एक नारा लगा था पाकिस्तान बनने के समय-हंस के लिया है पाकिस्तान, लड़ के लेंगे हिन्दुस्तान । मुझे लगता है कि यह उस लड़ के लेंगे हिन्दुस्तान के लिये किया जा रहा एक पापुलेशन एग्रेशन है । . . . (समय की घंटी) . . .

THE DEPUTY CHAIRMAN : Please be brief. Don't keep on repeating.

श्री अश्विनी कुमार : मेरा कहना यह है कि अगर इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो एक भंयकर स्थिति उत्पन्न हो जायेगी ।

उपसभापति : श्रीमती सुषमा स्वराज । कृपया बहुत संक्षिप्त में बोलियेगा । I have to adjourn the House for lunch.

Adverse effects of advertisements on Doordarshan relating to family Planning

श्रीमती सुषमा स्वराज (हरियाणा) : उपसभापति महोदया, मैं बहुत संक्षिप्त में और बहुत महत्वपूर्ण बात कहूंगी ।

उपसभापति : महोदया, मैं इस विशेष उल्लेख के माध्यम से लोकहित के एक महत्वपूर्ण विषय की ओर माननीय सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहती हूं । हर रोज रात को 8 बजकर 40 मिनट पर दूरदर्शन से हिन्दी समाचार प्रसारित होते हैं और उसके ठीक बाद राष्ट्रीय-कार्यक्रम के अन्तर्गत किसी एक धारावाहिक का प्रसारण किया जाता है । इन दोनों प्रमुख और प्रचलित कार्यक्रमों के बीच में अकसर परिवार-नियोजन कार्यक्रम से संबंधित एक लम्बा विज्ञापन दिखाया जाता है, जिसमें तरह-तरह के गर्भ-निरोधक उपायों के बारे में विस्तार से चर्चा की जाती है । जैसा आप जानती हैं कि आजकल दूरदर्शन पारिवारिक मनोरंजन का एक मुख्य साधन बन चुका हैं और रात्रि के प्रसारण के समय सभी लोग, सपरिवार इकट्ठे होकर दूरदर्शन के कार्यक्रम देखते हैं और खासतौर से 9.00 बजे प्रसारित किया जाने वाला धारावाहिक बच्चे कभी छोड़ना नहीं चाहते । उस उम्र के बच्चे भी, जो समाचार नहीं समझ पाते, समाचार के अन्त तक धारावाहिक के शौक में दूरदर्शन के सामने आकर बैठ जाते हैं और जब बाप-बेटी, मां-बेटा, भाई-बहन इकट्ठे बैठकर दूरदर्शन के कार्यक्रम का आनन्द उठाना चाहते हैं, ठीक उसी समय शुरू होता है यह लम्बा विज्ञापन, जिसमें सारी लाज और शर्म को ताक पर रखकर गर्भ-निरोधक तरीकों की बेहयाई से चर्चा की जाती है ।

महोदया, उस समय दूरदर्शन के सामने बैठना कितना दूभर हो जाता है, इसका एहसास आपके समेत इस माननीय सदन के हर सदस्य ने किया होगा । हर व्यक्ति उस समय दूरदर्शन से अपनी आंखें हटाकर एक-दूसरे का ध्यान बांटने

की कोशिश करता है और अपनी झेंप मिटाने के लिये नये-नये बहानों की तलाश करता है । जिनके टी०वी० रिमोट कंट्रोल से चलते हैं, उन्हें तो उस समय वह यंत्र दैवीय उपहार जैसा लगता है और रिमोट कंट्रोल को एक नियामत मानकर उसका उपयोग करते हुये बच्चों की आंखों से बचाने का प्रयत्न करते हैं ।...

उपसभापति : आप भाषण नहीं कर रही हैं, स्पेशल मेंशन कर रही हैं । You have made your point. Now, please sit down

THE DEPUTY CHAIRMAN : Then you talk about operative parts; do not talk about fringes.

श्रीमती सुषमा स्वराज : महोदया, मैं कहना चाहती हूं, मैं मानती हूं, मैं ही नहीं, हम सब मानते हैं कि भारतवर्ष की बढ़ती हुई जनसंख्या को देखते हुये परिवार-नियोजन कार्यक्रम जरूरी है और मैं यह भी मानती हूं कि किसी भी कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार के लिये दूरदर्शन बहुत ही प्रभावी माध्यम है । लेकिन, महोदया, दूरदर्शन पर परिवार-नियोजन कार्यक्रम किसी और स्वरूप में भी तो दिया जा सकता है और अगर सीज स्वरूप में दिखाना जरूरी है तो इसके समय में फेर-बदल किया जा सकता है । महोदया, आप जानती हैं कि दोपहर के कार्यक्रम केवल महिलायें देख पाती हैं, बच्चे उस समय स्कूल गये होते हैं, इसलिये अगर इस विज्ञापन को इसी स्वरूप में दिखाना है तो दिन के समय दिखायें । रात्रि के समय केवल-छोटा परिवार, सुखी परिवार होता है और इसके उपायों की जानकारी समीप के स्वास्थ्य केन्द्र से हासिल करें, इस तरह की बात की जा सकती है ।

उपसभापति : पुरुषों को भी दिखाना होगा ।

श्रीमती सुषमा स्वराज : उपसभापति महोदया, क्या यह जरूरी है कि इस तरह के उपायों की चर्चा करके टी०वी० के दर्शकों को झेंप की स्थिति में लाया जाये । हर काम को करने से पहले उसके फायदे और नुकसान को तौलना बहुत जरूरी है और अगर किसी काम से नुकसान ज्यादा और फायदा कम हो तो उस पर रोक लगनी चाहिये । तो मैं अपने इस विशेष उल्लेख के माध्यम से, आपके द्वारा सूचना और प्रसारण मंत्री से यह अनुरोध करना चाहूंगी कि वे इस पर विचार करें और खुद रुचि लेकर रात्रि के इस विज्ञापन के समय या स्वरूप को बदलवा कर दूरदर्शन के सभी दर्शकों को रोजमर्रा की इस दुविधा और झेंप से निजात दिलवायें । बहुत-बहुत धन्यवाद ।

THE DEPUTY CHAIRMAN: The House is adjourned for one hour for lunch.

The House the nadjourned for lunch at forty-five minutes past one of the clock.

The House reasccmblcd after lunch at forty-eight minutes past two of the clock, The Deputy Chairman in the Chair.

THE NATIONAL COMMISSION FOR WOMEN BILL, 1990.*Contd.*

THE DEPUTY CHAIRMAN : Before we proceed with the further discussion on the Bill, I would like to point out that the time allotted for this Bill has been exhausted. In fact, we have taken fourteen minutes more. There are many Members to speak still and then the Minister has to reply. Then, we have also the amendments to be moved and voted before the Bill is passed. I feel that every day we discuss in the House. औरतों पर अत्याचार और बलात्कार । एक ऐसा बिल जिसके द्वारा कि अत्याचार और बलात्कार की रोकथाम हो । हमारी बहुत सी महिला सदस्यों ने कहा, कुछ पुरुषों ने भी कहा, इसलिए मैं सोचती हूं कि ... (व्यवधान)... अटल जी ने भी कहा था, मुझसे फोन पर कहा था । सबने कहा ?... (व्यवधान)...